DHYEYA IAS
most trusted since 2003
DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims
29 अप्रैल 2023

अरबी गोंद

सन्दर्भ:

- विश्व का 70% अरबी गोंद साहेल क्षेत्र आपूर्ति प्रदान करता है, जो बबूल के पेड़ों से आता है।
- यह क्षेत्र वर्तमान में संघर्ष और अस्थिरता का सामना कर रहा है, जिसके कारण अरबी गोंद उद्योग के भविष्य के बारे में चिंताएं पैदा हो गई हैं।

मुख्य विशेषताएं:

- अरबी गोंद एक प्राकृतिक गोंद है जिसे बबूल की विभिन्न प्रजातियों के पेड़ों के रस से प्राप्त किया जाता है।
- यह आमतौर पर खाद्य उद्योग में स्टेबलाइजर, थिकनर और इमल्सीफायर के साथ-साथ शीतल पेय, कैंडी और अन्य उत्पादों के उत्पादन में उपयोग किया जाता है।
- अरबी गोंद का उपयोग गैर-खाद्य उद्योगों में भी किया जाता है, जैसे फार्मास्यूटिकल्स, प्रिंटिंग, कपड़ा और सौंदर्य प्रसाधन।

साहेल क्षेत्र:

- साहेल क्षेत्र भूमि का एक अर्ध-शुष्क क्षेत्र है जो सेनेगल, मॉरिटानिया, माली, बुर्किना फासो, नाइजर, नाइजीरिया, चाड, सूडान और इरिट्रिया सहित कई अफ्रीकी देशों में फैला हुआ है।
- इस क्षेत्र की विशेषता शुष्क जलवायु है, जिसमें सीमित वर्षा होती है और मौसम छोटा होता है, जिससे कृषि करना कठिन हो जाता है।
- साहेल भी मरुस्थलीकरण के लिए प्रवृत्त है, जो मानव गतिविधि और जलवायु परिवर्तन जैसे प्राकृतिक कारकों के कारण भूमि का क्रमिक क्षरण है।
- इन चुनौतियों के बावजूद, साहेल कई विविध संस्कृतियों और समुदायों का घर है और प्राकृतिक संसाधनों जैसे अरबी गोंद, सोना और तेल का एक महत्वपूर्ण स्रोत है।

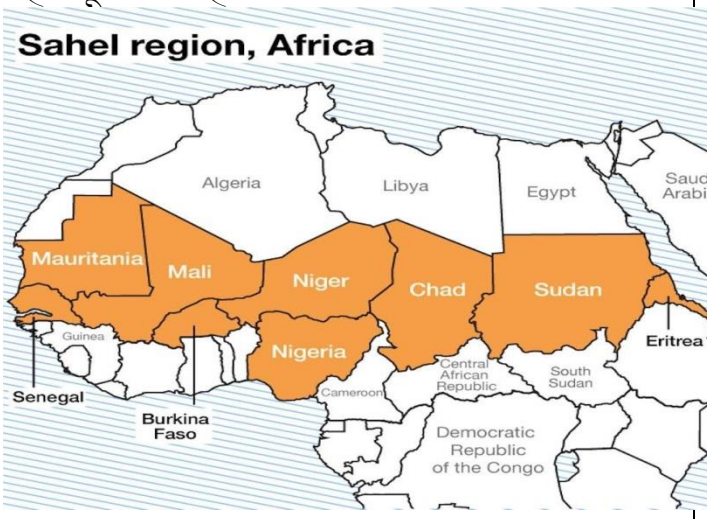

लेसर फ्लेमिंगो

सन्दर्भ:

- छह साल के बाद लेसर फ्लेमिंगो (गहरे लाल पैर और चोंच के साथ देदीप्यमान) आखिरकार पुलीकट झील में वापस आ गए हैं।

लेसर फ्लेमिंगो के बारे में:	पुलीकट झील:

- द लेसर फ्लेमिंगो (फोनीकोनायस माइनर) फ्लेमिंगो की एक प्रजाति है जो उप-सहारा अफ्रीका और उत्तर-पश्चिमी भारत की उथली, खारी और लैगून झीलों में पाए जाते है।
- वे अपने विशिष्ट गुलाबी पंखों के लिए जाने जाते हैं, जो उनके द्वारा खाए जाने वाले शैवाल और छोटे क्रस्टेशियंस में कैरोटीनॉयड वर्णक का परिणाम है।
- लेसर फ्लेमिंगो अन्य फ्लेमिंगो प्रजातियों की तुलना में छोटे होते हैं, जिनमें वयस्कों की लंबाई लगभग 80-90 सेमी और वजन लगभग 1.2-2.7 किलोग्राम होता है।
- इनके लंबे और पतले पैर, एक लंबी पतली गर्दन होती है, जिसका उपयोग वे खाने के लिए करते हैं।
- इनके पास एक अनूठी, नीचे की ओर मुड़ी हुई चोंच भी होती है जिसे फिल्टर फीडिंग के लिए अनुकूलित किया जाता है।
- ये पक्षी सामाजिक और मिलनसार होते हैं, आमतौर पर बड़े झुंड में रहते हैं जिनकी संख्या हजारों में हो सकती है।
- प्रजनन के मौसम के दौरान, वे बड़ी कॉलोनियों में इकट्ठा होते हैं और अपने आवास उथले पानी के मिट्टी के घोंसले में बनाते हैं।
- मादाएं एक ही अंडा देती हैं, जिसे माता-पिता दोनों बारी-बारी से तब तक सेते हैं जब तक उसमें से बच्चे नहीं निकल आते।
- आईयूसीएन स्थिति: लगभग खतरे में।

- पुलिकट झील भारत की दूसरी सबसे बड़ी खारे पानी की झील है, जो आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु राज्यों की सीमा पर स्थित है।
- लैगून में तीन प्रमुख नदियाँ अरनी, कलंगी और स्वर्णमुखी हैं ।
- श्रीहरिकोटा का अवरोधक द्वीप इस झील को बंगाल की खाड़ी से अलग करता है।

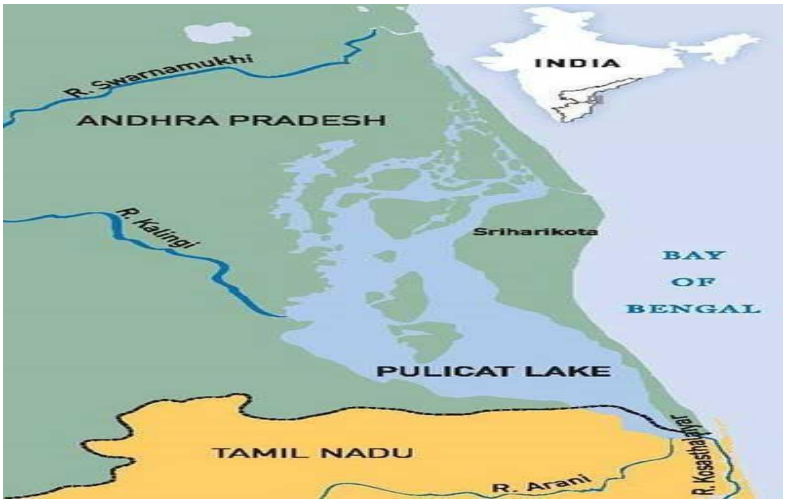

आदि शंकराचार्य

सन्दर्भ:

- हाल ही में आदि शंकराचार्य की 1235वीं जयंती मनाई गई।

आदि शंकराचार्य

- जन्म तिथि और स्थान: 788 CE, कलादी (केरल) भारत।
- मृत्यु की तिथि और स्थान: 820 CE, केदारनाथ (उत्तराखंड) भारत।
- आदि शंकराचार्य एक भारतीय दार्शनिक और धर्मशास्त्री थे जिन्होंने अद्वैत वेदांत के सिद्धांत को प्रतिपादित किया।
- इन्होंने बहुत कम उम्र में ही सांसारिक सुखों का त्याग कर दिया था।
- शंकराचार्य ने प्राचीन 'अद्वैत वेदांत' की विचारधाराओं को समाहित किया और उपनिषदों के मूल विचारों को भी समझाया।
- इन्होंने हिंदू धर्म की सबसे पुरानी अवधारणा की वकालत की जो सर्वोच्च आत्मा (निर्गुण ब्राह्मण) के साथ आत्मा (आत्मान) के एकीकरण की व्याख्या करती है।
- शंकराचार्य के सबसे महत्वपूर्ण कार्यों में से एक छह उप-संप्रदायों को संश्लेषित करने का उनका प्रयास है, जिन्हें 'शनमाता' के रूप में जाना जाता है।
- 'शनमाता' (जिसका शाब्दिक अर्थ 'छह धर्म' है) छह सर्वोच्च देवताओं की पूजा है।
- इनकी 'ब्रह्म सूत्र' की समीक्षा 'ब्रह्मसूत्रभाष्य' के रूप में जानी जाती है जो 'ब्रह्म सूत्र' पर सबसे पुरानी जीवित टिप्पणी है।
- आदि शंकराचार्य अपने 'स्तोत्रों' (कविताओं) के लिए भी प्रसिद्ध हैं।
- उन्होंने प्रसिद्ध 'उपदेशसहस्री' की भी रचना की, जिसका शाब्दिक अर्थ 'एक हजार शिक्षाओं' से है।
- शंकराचार्य ने एक सर्वोच्च प्राणी (ब्राह्मण) के अस्तित्व की व्याख्या की और कहा कि छह सर्वोच्च देवता एक दिव्य शक्ति का हिस्सा हैं।
- इन्होंने 'दशनामी संप्रदाय' की भी स्थापना की, जो एक मठवासी जीवन जीने की बात करता है।
- जबकि शंकराचार्य प्राचीन हिंदू धर्म में दृढ़ विश्वास रखते थे, लेकिन उन्होंने 'हिंदू धर्म के मीमांसा दर्शन' की निंदा की, जो विशुद्ध रूप से अनुष्ठान प्रथाओं पर आधारित था।
- शंकराचार्य ने अपनी पूरी यात्रा के दौरान विभिन्न अन्य दार्शनिकों के साथ अपने विचारों पर चर्चा की और समय-समय पर अपनी शिक्षाओं को परिष्कृत किया।
- आदि शंकराचार्य ने चार मठों (मठों) की स्थापना की जो भारत में चार प्रमुख बिंदुओं पर हैं।
- श्रृंगेरी शारदा पीठम, द्वारका पीठ, ज्योतिर्मठ पीठम, गोवर्धन मठ।

ब्लूवाशिंग

सन्दर्भ:

- एक नए शोध में इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि वैश्विक खाद्य प्रशासन पर कॉर्पोरेट का कब्जा अधिक स्पष्ट तरीकों से कैसे तेजी से हो रहा है।

- सभी स्थानों पर फर्मों की संख्या बढ़ रही है, उदाहरण के लिए, सार्वजनिक-निजी भागीदारी और बहु-हितधारक गोलमेज आदि।

ब्लूवॉशिंग क्या है?

- "ब्लू वाशिंग" शब्द का अर्थ उन कंपनियों या संगठनों से है जो अपने पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने के लिए वास्तव में पर्याप्त प्रयास किए बिना खुद को पर्यावरणीय रूप से जिम्मेदार या स्थिरता के लिए प्रतिबद्ध के रूप में चित्रित करते हैं।
- इसमें अपने विपणन और ब्रांडिंग में पर्यावरण के अनुकूल भाषा या इमेजरी का उपयोग करना शामिल हो सकता है ताकि पर्यावरण के बारे में चिंतित उपभोक्ताओं से अपील की जा सके, जबकि वे पर्यावरण की दृष्टि से हानिकारक प्रथाओं में संलग्न रहते हैं।
- ब्लू वाशिंग "ग्रीनवाशिंग" की अवधारणा के समान है, जो किसी उत्पाद या सेवा के पर्यावरणीय लाभों के बारे में गलत या अतिरंजित दावे करने के अभ्यास को संदर्भित करता है।
  हालांकि, ब्लू वाशिंग विशेष रूप से नीले रंग के उपयोग और पानी के संदर्भों पर केंद्रित है, जो अक्सर पर्यावरणीय स्थिरता से जुड़े होते हैं।

विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा)

सन्दर्भ:

- हाल ही में प्रवर्तन निदेशालय ने विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के उल्लंघन के बेंगलुरु आवास और कार्यालयों की तलाशी ली।

फेमा के बारे में:

- विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) एक भारतीय कानून है जो देश के अंदर और बाहर विदेशी मुद्रा लेनदेन और पूंजी प्रवाह को नियंत्रित करता है।
- पिछले विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम (फेरा) को प्रतिस्थापित करके यह कानून 1999 में अधिनियमित किया गया था।
- फेमा का उद्देश्य बाहरी व्यापार और भुगतान को सुविधाजनक बनाना, भारत में विदेशी मुद्रा बाजार के व्यवस्थित विकास और रखरखाव को बढ़ावा देना और भारत के बाहरी वित्तीय क्षेत्र की स्थिरता को बनाए रखना है।
- फेमा, भारतीय निवासियों या संस्थाओं द्वारा भारत के बाहर स्थित विदेशी मुद्रा, विदेशी सुरक्षा और अचल संपत्ति से जुड़े सभी लेनदेन को कवर करता है।
- इसके प्रावधानों के उल्लंघन के लिए दंड और प्रवर्तन तंत्र के लिए दिशानिर्देश भी प्रदान करता है।

DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

29 अप्रैल 2023

संक्षिप्तसुर्खियां

स्वदेशी मुद्दों पर संयुक्त राष्ट्र स्थायी मंच

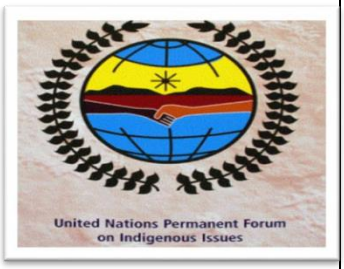

सन्दर्भ:

- हाल ही में UNPFII का 22वां सत्र आयोजित किया गया था।

यूएनपीएफआईआई के बारे में:

- स्वदेशी मुद्दों पर संयुक्त राष्ट्र स्थायी फोरम (यूएनपीएफआईआई) संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक परिषद (ईसीओएसओसी) के लिए एक सलाहकार निकाय है जो स्वदेशी लोगों के अधिकारों और कल्याण से संबंधित मुद्दों पर कार्य करता है।
- यह फोरम 2000 में स्थापित किया गया था और न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में दो सप्ताह के लिए सालाना मिलता है।
- यह स्वदेशी लोगों के लिए संयुक्त राष्ट्र के सदस्य राज्यों और अन्य हितधारकों के साथ अपने दृष्टिकोण, अनुभव और चिंताओं को साझा करने हेतु एक मंच प्रदान करता है।
- यह स्वदेशी मुद्दों पर ईसीओएसओसी और अन्य संयुक्त राष्ट्र निकायों को भी सलाह देता है और स्वदेशी लोगों के अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र घोषणा जैसे अंतर्राष्ट्रीय मानकों और समझौतों के कार्यान्वयन को बढ़ावा देता है।

नेट जीरो इनोवेशन वर्चुअल सेंटर

सन्दर्भ:

- भारत और यूके संयुक्त रूप से इंडिया-यूके 'नेट जीरो' इनोवेशन वर्चुअल सेंटर स्थापित करने के लिए तैयार हैं।

मुख्य विशेषताएं:

- यह दोनों देशों के हितधारकों के बीच विनिर्माण प्रक्रियाओं और परिवहन प्रणालियों के डीकार्बोनाइजेशन और नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत के रूप में हरित हाइड्रोजन जैसे फोकस क्षेत्रों पर काम करने के लिए सहयोग की सुविधा प्रदान करेगा।

मिलेट्स एक्सपीरियंस सेंटर

सन्दर्भ:

- हाल ही में कृषि मंत्री ने नई दिल्ली में दिल्ली हाट में पहला मिलेट्स एक्सपीरियंस सेंटर (MEC)' लॉन्च किया।

मुख्य विशेषताएं:

- नेशनल एग्रीकल्चरल कोऑपरेटिव मार्केटिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (नेफेड) ने कृषि मंत्रालय के सहयोग से मिलेट्स एक्सपीरियंस सेंटर की स्थापना की है।

- इसका उद्देश्य बाजरा के बारे में जागरूकता बढ़ाना और आम जनता के बीच इसे अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना है।

आत्महत्या के लिए उकसाना

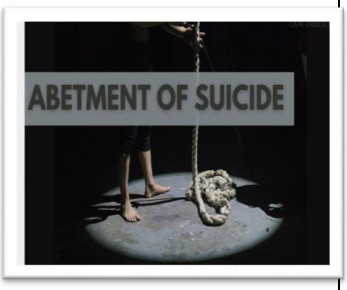

सन्दर्भ:

- हाल ही में सीबीआई की एक विशेष अदालत ने अभिनेता सूरज पंचोली को 2013 में अभिनेत्री जिया खान को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप से सबूतों के अभाव में बरी कर दिया।

आत्महत्या के लिए उकसाना:

- उकसाने को साजिश में शामिल होने या अपराध करने में सहायता करने के रूप में परिभाषित किया गया है।
- यदि कोई व्यक्ति आत्महत्या करता है, तो जो कोई भी ऐसी आत्महत्या के लिए उकसाता है, उसे कारावास और जुर्माना का प्रावधान किया गया है।
- भारतीय दंड संहिता, 1860 आत्महत्या के लिए उकसाने को दंडनीय अपराध बनाता है।
- भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 306 में 10 साल तक की जेल या जुर्माना या दोनों का प्रावधान करता है।
- आत्महत्या के लिए उकसाना एक गंभीर, संज्ञेय, गैर-जमानती और गैर-शमनीय अपराध है तथा इसकी सुनवाई सत्र न्यायालय में होती है।

संज्ञेय अपराध :

- ऐसे अपराध जिसमे पुलिस, किसी अपराधी को वारंट के बिना गिरफ्तारी कर सकता है।
- **गैर-जमानती अपराध:** वह अपराध जिसमे अभियुक्त को अदालत के विवेक पर जमानत दी जाती है न कि अधिकार के रूप में।
- **अशमनीय अपराध:** ऐसा अपराध जिसमें शिकायतकर्ता और अभियुक्त के बीच समझौता हो जाने पर भी शिकायतकर्ता द्वारा मामला वापस नहीं लिया जा सकता है।

नैनो डीएपी (तरल)

सन्दर्भ:

- भारतीय किसान उर्वरक सहकारी (इफको) ने नैनो डीएपी (तरल) लॉन्च किया है, जो नाइट्रोजन और फास्फोरस के नैनोकणों के साथ अगली पीढ़ी का उर्वरक है।

मुख्य विशेषताएं:

- नैनोकणों का आकार 1 से 100 नैनोमीटर के बीच होता है।

- डीएपी फॉस्फेट आधारित उर्वरक है जो अमोनिया को फॉस्फोरिक एसिड के साथ प्रतिक्रिया करके बनाया जाता है।
- नैनो डीएपी की एक बोतल पारंपरिक डीएपी के एक बैग के बराबर होती है।
- नैनो-डीएपी का उपयोग करने के कई फायदे हैं, जिनमें कम उर्वरक सब्सिडी का बोझ, कृषि के लिए कम लागत, उच्च पोषक तत्वों के माध्यम से बेहतर कृषि स्थिरता, पानी की कम खपत और उच्च उपयोग दक्षता शामिल हैं।
- नैनो डीएपी (तरल) एक प्रकार का उर्वरक है जिसे पौधों को आवश्यक पोषक तत्व फास्फोरस प्रदान करने के लिए विकसित किया गया है।
- डीएपी का अर्थ "डायमोनियम फॉस्फेट" है, जो कि कृषि में उपयोग किए जाने वाले उर्वरक का एक सामान्य रूप है।
- नैनो डीएपी इस उर्वरक का एक तरल रूप है जिसे सीधे पौधों की जड़ों या पत्तियों पर डाला जा सकता है।

हेमिस मठ

सन्दर्भ:

- हाल ही में G20 के तहत Y20 प्री-समिट मीटिंग लद्दाख के लेह में शुरू हुई। इस प्री-समिट में 30 देशों के 100 से अधिक प्रतिनिधियों ने हेमिस और थिकसे मठों का दौरा किया।

हेमिस मठ:

- हेमिस मठ द्रुक्पा वंश का एक हिमालयी बौद्ध मठ (गोम्पा) है, जो हेमिस (लद्दाख) भारत में स्थित है। इसे 1672 में लेह से 45 किमी दूर स्थित लद्दाखी राजा सेंगगे नामग्याल द्वारा फिर से स्थापित किया गया था।
- यहाँ जून की शुरुआत में पद्मसंभव को सम्मानित करने वाला वार्षिक हेमिस उत्सव आयोजित किया जाता है।

हेमिस मठ का इतिहास:

- हेमिस मठ का इतिहास बताता है कि यह 11वीं शताब्दी से पहले अस्तित्व में माना जाता है।
- हेमिस का मठ योगी तिलोपा के शिष्य और अनुवादक मारपा के शिक्षक नरोपा से जुड़ा हुआ है।
- ऐसा माना जाता है कि नरोपा और योगी तिलोपा हेमिस में मिले थे और यहां से वे मगध के प्राचीन साम्राज्य की ओर गए।
- नरोपा हिमालयी गूढ़ बौद्ध धर्म के काग्यू-वंश के संस्थापक पिता थे।

	• इसलिए, हेमिस मठ बौद्ध धर्म के काग्यू वंश का मुख्य स्थान है।

पीआरईटी पहल	**सन्दर्भ:**
	• हाल ही में विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने COVID-19 महामारी की तरह तबाही के भविष्य के प्रकोपों के लिए बेहतर तरीके से तैयार होने के लिए एक नई पहल शुरू की।
	
	पीआरईटी पहल के बारे में:
	• उभरते खतरों के लिए तैयारी और लचीलापन (The Preparedness and Resilience for Emerging Threats -पीआरईटी) पहल का उद्देश्य "इन्फ्लूएंजा या कोरोनावायरस जैसे किसी भी श्वसन रोगज़नक़ से निपटने के लिए एकीकृत योजना पर मार्गदर्शन" प्रदान करना है।
	• जिनेवा, स्विट्जरलैंड में 24-26 अप्रैल 2023 को आयोजित फ्यूचर रेस्पिरेटरी पैथोजेन महामारी की वैश्विक बैठक में इस पहल की घोषणा की गई।
	• पीआरईटी का वर्तमान ध्यान श्वसन विषाणुओं पर होगा।
	• पीआरईटी निगरानी ढांचा (जिसे जल्द ही रेखांकित किए जाने की उम्मीद है) उन कार्यों की मेजबानी करता है जिन पर दिसंबर 2025 तक प्रगति हासिल करने के लिए देशों से काम करने की उम्मीद की जाएगी।
	• इसमें तीन आयामी दृष्टिकोण शामिल है जिसमें शामिल हैं -
	  ○ इसकी प्राथमिकता कार्यों की पुष्टि करने वाली योजनाओं को अद्यतन करना।
	  ○ व्यवस्थित समन्वय और सहयोग के माध्यम से महामारी की तैयारी में हितधारकों के बीच संपर्क बढ़ाना।
	  ○ COVID-19 महामारी के दौरान उजागर की गई कमियों को दूर करने पर विशेष ध्यान देने के साथ निरंतर निवेश, वित्तपोषण और महामारी की तैयारियों की निगरानी का कार्यान्वयन करना।

MCQ, Current Affairs, Daily Pre Pare